History of Census

सर्वप्रथम जनगणना–1749 में स्वीडन द्वारा कराया गया था। ब्रिटिश भारत में पहली जनगणना 1872 में लार्ड मेयो के कार्यकाल में हुई थी। 1881 ई. में लार्ड रिपन के समय से प्रत्येक दस वर्ष के अन्तराल पर जनसंख्या का क्रमवार आकलन प्रारम्भ हुआ, जो आज भी जारी है।

भारत का क्षेत्रफल विश्व के क्षेत्रफल का मात्र 2.4 प्रतिशत है, जबकि भारत की जनसंख्या विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5 प्रतिशत है।

वर्ष	जनसंख्या (करोड़ में)	दशाब्दी अन्तर (करोड़ में)	प्रतिदशक वृद्धिदर (%)	औसत वार्षिक घातांक वृद्धिदर (%)
1901	23.83	–	–	–
1911	25.20	1.36	+5.75	0.56
1921	25.13	0.07	–0.31	–0.03
1931	27.89	2.76	+11.00	1.04
1941	31.86	3.96	+14.22	1.33
1951	36.10	4.24	+13.31	1.25
1961	43.92	7.81	+21.64	1.96
1971	54.81	10.89	+24.80	2.20
1981	68.33	13.51	+24.66	2.22
1991	84.64	16.30	+23.87	2.16
2001	102.87	18.23	+21.54	1.97
2011 (अनन्तिम)	121.01	18.14	+17.64	1.64

भारत मूलतः गावों का देश है। इस देश में कुल 6.41 लाख ग्राम हैं, जहाँ देश की 68.84 प्रतिशत (2011) जनसंख्या निवास करती है।

भारत की जनसंख्या में सर्वाधिक वृद्धि 1961–71 के दशक में 24.80% हुई थी। सर्वाधिक तथा न्यूनतम दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर क्रमशः दादर एवं नागर हवेली (55.5%) और नागालैण्ड (–) 0.47% का रहा। ध्यातव्य है कि 2001 के जनगणना में नागालैण्ड में दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर सर्वाधिक (64.53%) थी।

जनसंख्या वृद्धि दर वाले शीर्ष

राज्य	वृद्धि दर (प्रतिशत में)
दादर और नगर हवेली	55.50
दमन दीव	53.54
पुदुचेरी	27.72

न्यूनतम दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर वाले राज्य

राज्य	वृद्धि दर (प्रतिशत में)
नागालैण्ड	(–) 0.47
केरल	4.86
लक्षद्वीप	6.23

दशकीय जनसंख्या वृद्धि (2001–2011) के अनुसार राज्यों का क्रम

राज्य	वृद्धि दर (प्रतिशत में)
मेघालय (राज्यों में प्रथम)	27.82
अरुणाचल प्रदेश	25.92
बिहार	25.07

जनगणना के महत्वपूर्ण आंकड़े

	2001	2011
व्यक्ति (i) पुरुष (ii) महिलाएं	1,02,87,37,436 53,22,23,090 (51.73%) 49,65,14,346 (48.27%)	1,21,01,93,422 62,37,24,248 (51.53%) 49,65,14,346 (48.46%)
0–6 आयु जनसंख्या	–	13.16%
नगरीय प्रतिशत	27.81	31.16%
दशक में % वृद्धिदर	21.54	17.64
वार्षिक वृद्धि दर % में	1.97	1.64
लिंगानुपात	933 : 1000	940 : 1000
साक्षरता % (i) पुरुष साक्षरता % (ii) महिला साक्षरता %	64.8 75.26 53.67	74.04 82.14 65.46
जनघनत्व (व्यक्ति/वर्ग किमी.)	324	382

जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा राज्य **–सिक्किम**

जनसंख्या की दृष्टि से शीर्ष पाँच राज्य

राज्य	जनसंख्या (करोड़ में)
उत्तर प्रदेश	19.958 (16.16%)
महाराष्ट्र	11.237 (9.42%)
बिहार	10.380 (8.07%)
पं. बंगाल	9.134 (7.79%)
आन्ध्र प्रदेश	8.466 (7.41%)

जनसंख्या की दृष्टि से शीर्ष तीन के. प्र. क्षेत्र

राज्य	जनसंख्या (करोड़ में)
दिल्ली	16753235
पुदुचेरी	1244429
चण्डीगढ़	1054686

लिंगानुपात

(Sex Ratio – 2011)

जनसंख्या की लिंग संरचना को किसी अनुपात में व्यक्त करना, **लिंगानुपात** कहलाता है। भारत में यह अनुपात प्रति 1000 पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या के रूप में दर्शाते हैं।

भारत में लिंग संरचना			
वर्ष	लिंगानुपात	वर्ष	लिंगानुपात
1901	972	1961	941
1911	964	1971	930
1921	955	1981	934
1931	950	1991	927
1941	945	2001	933
1951	946	2011	940

शीर्ष तीन लिंगानुपात वाले राज्य	
राज्य	लिंगानुपात
केरल	1084
तमिलनाडु	995
आन्ध्रप्रदेश	992

न्यूनतम पाँच लिंगानुपात वाले राज्य	
राज्य	लिंगानुपात
हरियाणा	877
जम्मू कश्मीर	883
सिक्किम	889

शीर्ष तीन लिंगानुपात वाले केन्द्रशासित प्रदेश	
राज्य	लिंगानुपात
पुदुचेरी	1038
लक्षद्वीप	946
अंडमान	878

न्यूनतम तीन लिंगानुपात वाले केन्द्रशासित राज्य	
प्रदेश	लिंगानुपात
दमन एवं दीव	618
दादर एवं नगर हवेली	775
चण्डीगढ़	818
सर्वाधिक लिंगानुपात वाले 2 जिले	
माहे (पुदुचेरी)	1176
अल्मोड़ा (उत्तराखंड)	1142
न्यूनतम लिंगानुपात वाले 2 जिले	
दमन (दमन दीव)	533
लेह (लद्दाख) (जम्मू कश्मीर)	583

0–6 आयु वर्ग के शीर्ष लिंगानुपात वाले राज्य	
राज्य	लिंगानुपात
मिजोरम	971
0–6 आयु वर्ग में न्यूनतम लिंगानुपात वाले राज्य	
हरियाणा	830
0–6 आयु वर्ग में शीर्ष और न्यूनतम लिंगानुपात वाले केन्द्रशासित प्रदेश	
अण्डमान एवं निकोबार	966

लिंगानुपात : 1961 से 2011 तक कुल जनसंख्या और 0–6 आयु की जनसंख्या का तुलनात्मक आंकड़ा–

वर्ष	लिंगानुपात 0–6 आयु वर्ग में	कुल औसत लिंगानुपात
1961	976	941
1971	964	930
1981	962	934
1991	945	927
2001	927	933
2011	914	940

वर्ष 2011 में भारत में प्रति 1000 पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या जहाँ 940 थी वहीं चीन में यह अनुपात 926, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में 1025, इण्डोनेशिया में 988, ब्राजील में 1042, पाकिस्तान में 943, बांग्लादेश में 1167, रूस में 1055, जापान में 987 तथा नाइजीरिया में 978 है।

साक्षरता दर

(Literacy Rate)

साक्षरता को विकास एवं मानव जीवन की गुणवत्ता का सूचक माना जाता है।

साक्षरता की गणना के लिए 7 वर्ष से ऊपर के आयु वर्ग को सम्मिलित किया जाता है। कोई भी व्यक्ति यदि वह पढ़लिख सकता है, तो वह साक्षर है।

भारत में साक्षरता – 2011		
साक्षरता	जनसंख्या	प्रतिशत
व्यक्ति	77,84,54,120	74.04
पुरुष	44,42,03,762	82.14
स्त्री	32,42,50,358	65.46

साक्षरता दर में प्रगति			
वर्ष	व्यक्ति	पुरुष	स्त्री
1951^{+}	18.33	27.16	8.86
1961^{+}	28.30	40.40	15.35
1971^{+}	34.45	45.96	21.97
1981^{0}	43.57	56.38	29.76
1991^{0}	52.21	64.13	39.29
2001^{0}	64.84	75.26	53.67
2011^{0}	74.04	82.14	65.46

संकेत : + साक्षरता का आधार 5 वर्ष से ऊपर के लोग
0 साक्षरता का आधार 7 वर्ष से ऊपर के लोग

शीर्ष तीन साक्षरता दर वाले राज्य	
राज्य	प्रतिशत
केरल	93.91
मिजोरम	91.58
त्रिपुरा	87.75
न्यूनतम तीन साक्षरता दर वाले राज्य	
बिहार	63.82
अरुणाचल प्रदेश	66.95
राजस्थान	67.06

शीर्ष तीन केन्द्रशासित साक्षरता वाले प्रदेश	
प्रदेश	प्रतिशत
लक्षद्वीप	92.91
दमन दीव	87.07
पुदुचेरी	86.55
न्यूनतम तीन साक्षरता दर वाले केन्द्रशासित प्रदेश	
दादरा एवं नगर हवेली	77.65
दमन एवं निकोबार द्वीप	86.27
दिल्ली	86.34

स्त्री साक्षरता वाले तीन शीर्ष राज्य	
राज्य	प्रतिशत
केरल	91.98
मिजोरम	289.40
त्रिपुरा	83.15
न्यूनतम स्त्री साक्षरता वाले तीन राज्य	
राजस्थान	52.66
बिहार	53.33
झारखण्ड	56.21

अवश्य याद करें

- किस दशक में निरक्षरों की संख्या में सर्वाधिक कमी हुई ?

–1991–2001

- वर्तमान में (2011) भारत में कुल कितने लोग साक्षर हैं ?

–77.84 करोड़

- साक्षर स्त्रियों की संख्या वर्तमान में (2011) कितनी है ?

–32.42 करोड़

- 1951 तथा 2001 में स्त्री साक्षरता कितने प्रतिशत थी?

–क्रमशः 8.86 एवं 53.67%

- सभी राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों में तुलनात्मक दृष्टि से सबसे कम साक्षरता पायी जाती है ?

–बिहार में (63.82.0%)

- 2011 स्त्री साक्षरता प्रतिशत कितना है ?

–65.46

- किस राज्य एवं केन्द्रशासित प्रदेश में स्त्री साक्षरता सबसे कम पायी जाती है ?

–राजस्थान (52.66%)

जनघनत्व
(Density)

प्रति वर्ग किमी. पर निवास करने वाली जनसंख्या को जनघनत्व कहते हैं।

जनसंख्या घनत्व का तात्पर्य जनसंख्या एवं धरातल के एक अनुपात से है।

जनगणना वर्ष	घनत्व (व्यक्ति/वर्ग किमी.)
1901	77
1911	82
1921	81
1931	90
1941	103
1951	117
1961	142
1971	177
1981	216
1991	267
2001	325
2011	382

शीर्ष तीन जनघनत्व वाले राज्य	
राज्य	जनघनत्व/वर्ग किमी.
बिहार	1102
पश्चिम बंगाल	1029
केरल	859
न्यूनतम तीन जनघनत्व वाले राज्य	
अरुणाचल प्रदेश	17
मिजोरम	52
सिक्किम	86

तीन शीर्ष जनघनत्व वाले केन्द्रशासित प्रदेश	
प्रदेश	जनघनत्व/वर्ग किमी.
दिल्ली	11297
चण्डीगढ़	9252
पुदुचेरी	2598
न्यूनतम तीन जनघनत्व वाले केन्द्रशासित क्षेत्र	
अंडमान एवं निकोबार	46
दादरा एवं नगर हवेली	698
दमन एवं दीव	2013

सर्वाधिक जनघनत्व वाले दो जिले		
जिले	राज्य	जनघनत्व
उ. पू. दिल्ली	दिल्ली	37,346
चेन्नई	तमिलनाडु	26,903

भारत में न्यूनतम एक व्यक्ति/वर्ग किमी. वाला जिला **दिबांग घाटी** (अरुणाचल प्रदेश), तथा 2 व्यक्ति/वर्ग किमी. वाला जिला **सम्बा** (जम्मू कश्मीर) है।

विकलांग जनसंख्या
(Disable Population)

2001 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या 1,02,87,37,436 का 2.1 प्रतिशत अर्थात् 2,19,06,769 व्यक्ति विकलांग हैं।

धर्माधारित जनगणना–2001
(Religion Based Census – 2001)

भारत वर्ष में 80.5% हिन्दू, मुस्लिम 13.4%, इसाई 2.33%, सिक्ख 1.84%, बौद्ध 0.8% तथा जैन 0.4% पाये जाते हैं।

धर्माधारित जनगणना – 2001							
धर्म	कुल जनसंख्या (करोड़ में)	कुल जनसंख्या (प्रतिशत में)	साक्षरता % में	महिला साक्षरता % में	दशकीय वृद्धि % में		लिंगानुपात
					1981–91	1991–2001	
हिन्दू	82.75	80.5	65.1	53.2	25.1	20.0	931 : 1000
मुस्लिम	13.81	13.4	59.1	50.1	34.5	29.3	936 : 1000
ईसाई	2.40	2.33	80.3	76.2	21.5	22.1	1009 : 1000
सिख	1.92	1.84	69.4	63.1	24.3	16.9	893 : 1000
बौद्ध	0.79	0.8	72.7	61.7	35.3	32.2	953 : 1000
जैन	0.42	0.4	94.1	90.6	4.6	26.0	940 : 1000
अन्य	0.69	0.7	47.0	33.2	–	–	–

केन्द्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के सचिव प्रणव सेन ने पांचवी आर्थिक जनगणना (आर्थिक जनगणना 2005) के अंतिम आंकड़े 28 मई, 2008 को जारी किये।

आर्थिक जनगणना	वर्ष
पहली (सर्वप्रथम)	1977
दूसरी	1980
तीसरी	1990
चौथी	1998
पांचवीं	2005
छठवीं (जारी)	2011

जनगणना 2011 : ग्रामीण–शहरी जनसंख्या वितरण

देश की कुल 121 करोड़ जनसंख्या में 37.7 करोड़ शहरी क्षेत्रों में व शेष 83.3 करोड़ ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है।

जनसंख्या में शहरी जनसंख्यसा अब 31.16 प्रतिशत है, जबकि 68.84 प्रतिशत जनसंख्या ही अब गाँवों में निवास करती है।

2001–11 के दशक में देश में शहरी जनसंख्या में जहाँ 9.10 करोड़ की वृद्धि हुई है। वहीं ग्रामीण जनसंख्या में वृद्धि 9.05 करोड़ रही है। देश में ग्रामीण जनसंख्या में जहाँ 12.18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, वहीं शहरी जनसंख्या में वृद्धि 31.8 प्रतिशत रही है।

जनसंख्या (करोड़ में)			
	2001	2011	अन्तर
भारत	102.9	121.0	18.1
ग्रामीण	74.3 (72.19%)	83.3 (68.84%)	9.0
शहरी	28.6 (27.81%)	37.7 (31.16%)	9.1

सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाले 3 राज्य	
राज्य	जनसंख्या (मिलियन में)
उत्तर प्रदेश	155.11 (18.62)
बिहार	92.08 (11.06)
पं. बंगाल	62.21 (97.5)

नोट : कोष्ठक में दिया आँकड़ा भारत के ग्रामीण जनसंख्या की तुलना में राज्य की प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या है।

सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या प्रतिशतता वाले 3 राज्य	
राज्य	ग्रामीण जनसंख्या % में
हिमाचल प्रदेश	89.96
बिहार	88.70
असोम	85.92
ओड़िशा	83.32

सर्वाधिक शहरी जनसंख्या प्रतिशतता वाले 3 राज्य	
राज्य	शहरी जनसंख्या % में
गोवा	62.17
मिजोरम	51.51
तमिलनाडु	48.45

सर्वाधिक शहरी जनसंख्या वाले 3 राज्य	
राज्य	जनसंख्या (मिलियन में)
महाराष्ट्र	50.83 (13.48)
उत्तर प्रदेश	44.47 (11.79)
तमिलनाडु	34.95 (9.27)

शहरी जनसंख्या वाले न्यूनतम तीन राज्य	
राज्य	जनसंख्या (मिलियन में)
सिक्किम	0.15
अरुणाचल प्रदेश	0.13 (0.1)
मिजोरम	0.56 (0.1)

नोट : कोष्ठक में देश की शहरी जनसंख्या का प्रतिशत है।

ग्रामीण जनसंख्या में सर्वाधिक वृद्धि दर वाला राज्य	
राज्य	वृद्धि दर % में
मेघालय	27.04
शहरी जनसंख्या में सर्वाधिक वृद्धि दर वाला राज्य	
सिक्किम	153.4

2011 में ग्रामीण एवं शहरी लिंगानुपात क्रमशः 947 एवं 926 है, जो 2001 के तुलना में क्रमशः एक एवं 26 अधिक है। यथा–

लिंगानुपात			
क्षेत्रक	2001	2011	अन्तर
भारत	933	940	(+) 7
ग्रामीण	946	947	(+) 1
शहरी	900	926	+ 26

0–6 आयु वर्ष का लिंगानुपात			
Overall	2001	2011	अन्तर
भारत	927	914	(–) 13
ग्रामीण	934	919	(–) 15
शहरी	906	902	(–) 4

नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत में वृद्धि : 2011		
क्र.	राज्य/केन्द्र क्रमशः	वृद्धि (प्रतिशत में)
1.	दमन एवं दीव	38.91
2.	लक्षद्वीप	33.62
3.	दादरा और नगर हवेली	23.73
4.	केरल	21.76
5.	सिक्किम	13.9
6.	गोवा	12.41
7.	नगालैण्ड	11.74
8.	त्रिपुरा	9.12
9.	चंडीगढ़	7.48
10.	आन्ध्र प्रदेश	6.19
11.	हरियाणा	5.87
12.	गुजरात	5.22
13.	मणिपुर	5.1
14.	उत्तराखण्ड	4.88
15.	कर्नाटक	4.58
16.	तमिलनाडु	4.41
17.	रा.रा.क्षे. दिल्ली	4.32
18.	पं. बंगाल	3.92
19.	पंजाब	3.57
	भारत	**3.35**
20.	छत्तीसगढ़	3.15
21.	अण्डमान/निकोबार	3.04
22.	महाराष्ट्र	2.8
23.	जम्मू–कश्मीर	2.4
24.	अरुणाचल प्रदेश	1.92
25.	मिजोरम	1.88
26.	झारखण्ड	1.81
27.	पुडुचेरी	1.74
28.	ओडिशा	1.69
29.	राजस्थान	1.5
30.	उत्तर प्रदेश	1.5
31.	असम	1.18
32.	मध्य प्रदेश	1.17
33.	बिहार	0.84
34.	मेघालय	0.5
35.	हिमाचल प्रदेश	0.24

उत्तर प्रदेश जनगणना–2011
(Uttar Pradesh Census-2011)

प्रदेश की कुल जनसंख्या

2011 के जनगणना के अनुसार राज्य की कुल जनसंख्या 19,95,81477 है। विश्व के देशों के सन्दर्भ में चीन, भारत, अमेरिका और इण्डोनेशिया के बाद 5 वें स्थान पर है। भारत की कुल आबादी में से 16.49% उ.प्र. में रहती है, लेकिन प्रदेश का क्षेत्रफल देश कुल क्षेत्रफल का 7.33 प्रतिशत है। देश की कुल जनसंख्या में उ.प्र. की जनसंख्या का हिस्सा 6वाँ है।

आबादी के हिसाब से दो सबसे बड़े नगर	
लखनऊ	2815033
कानपुर	2769413
सर्वाधिक आबादी वाले 3 जिले	
इलाहाबाद	5959798
मुरादाबाद	4773138
गाजियाबाद	4661452
सबसे कम आबादी वाले 3 जिले	
महोबा	0876055
चित्रकूट	0990626
हमीरपुर	1104021

वृद्धि दर : 2001–2011 के दौरान प्रदेश के जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर 20.09% रही।

शीर्ष 3 दशकीय वृद्धि वाले जिले	
गौतम बुद्ध नगर	51.52%
गाजियाबाद	40.66%
बहराइच	30.12%
न्यूनतम पाँच दशकीय वृद्धि वाले जिले	
कानपुर नगर	9.79%
हमीरपुर	11.09%
बागपत	11.87%

जनसंख्या घनत्व 2011 : 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य का औसत जनघनत्व 828 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी. है।

सन्	उ.प्र. जनघनत्व	भारत का जनघनत्व
1901	165	72
1911	164	77
1921	159	77
1931	169	85
1941	192	98
1951	215	134
1961	251	134
1971	300	173
1981	377	216
1991	548	267
2001	690	325
2011	**828**	**382**

शीर्ष 3 जनसंख्या घनत्व वाले जिले	
गाजियाबाद	3954
वाराणसी	2399
लखनऊ	1815
न्यूनतम 3 जनसंख्या घनत्व वाले जिले	
ललितपुर	242
सोनभद्र	270
हमीरपुर	275

साक्षरता दर 2011

2011 में उ.प्र. की कुल साक्षरता 69.72%, पुरुष साक्षरता 79.24% और स्त्री साक्षरता 59.26% रही है।

सन्	प्रदेश की कीु साक्षरता दर	प्रदेश की पुरुष साक्षरता दर	प्रदेश की स्त्री साक्षरता दर
1951	12.2	19.17	4.07
1961	20.87	32.08	8.36
1971	23.99	35.01	11.23
1981	32.65	46.65	16.74
1991	41.60	54.82	26.31
2001	56.36	68.8	42.2
2011	69.72	79.24	59.26

सर्वाधिक साक्षरता वाले 3 जिले	
गाजियाबाद	85.0%
गौतमबुद्ध नगर	82.20%
कानपुर नगर	81.31%

अवश्य याद करें

- जनसंख्या और क्षेत्रफल की दृष्टि से उ.प्र. का देश में स्थान क्रमशः है– **–प्रथम और पंचम**
- भारत के कुल जनसंख्या का कितना प्रतिशत जनसंख्या उ.प्र. में रहती है ? **–16.49%**
- प्रदेश की कुल जनसंख्या में कितने प्रतिशत पुरुष और स्त्रियाँ हैं– **–52.4% और 47.6%**
- 2001–2011 के दौरान प्रदेश की जनसंख्या में कितने प्रतिशत की दशकीय एवं वार्षिक वृद्धि दर रही ? **–20.09% एवं 1.85%**
- 0–6 वर्ष के आयुवर्ग में उ.प्र. में कुल संख्या कितनी है ? **–2,97,28,235**
- 2001–2011 के दौरान लिंगानुपात में कितने की वृद्धि हुई– **–10 की**
- प्रदेश में शिशु लिंगानुपात कितना है ? **–899**
- 2011 में सर्वाधिक महिला साक्षरता वृद्धि किस जिले में पाई गई ? **–गाजियाबाद (81.42%)**

लिंगानुपात 2011

2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश में 1000 पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या (लिंगानुपात) 908 रहा।

सन्	लिंगानुपात
1901	994
1911	915
1921	909
1931	804
1941	907
1951	910
1961	909
1971	879
1981	885
1991	879
2001	898
2011	908
शीर्ष 3 सिलंगानुपात वाले जिले	
जौनपुर	1018
आजमगढ़	1017
देवरिया	1013

अनुसूचित जातियाँ (SC) 2001

2001 की जनगणना के अनुसार राज्य में अनुसूचित जातियों की जनसंख्या 3,51,48,377 है, जो कि प्रदेश के कुल जनसंख्या का 21.1% है, जबकि सम्पूर्ण देश के कुल जनसंख्या में जनुसूचित जातियों के जनसंख्या का प्रश्तिात 16.2% है।

- देश में जनसंख्या की दृष्टि से सर्वाधिक अनुसूचित जाति वाला राज्य **–उत्तर प्रदेश**
- देश में अनुसूचित जाति की सर्वाधिक प्रतिशत वाला राज्य है– **–पंजाब**
- प्रदेश में सर्वाधिक SC जनसंख्या वाला जिला **–सीतापुर**
- प्रदेश में सबसे कम SC जनसंख्या वाला जिला **–बागपत**

अनुसूचित जनजातियाँ (ST)

2001 की जनगणना के अनुसार राज्य में अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या 1,07,963 है, जिनमें 55,834 पुरुष एवं 52,129 स्त्रियाँ हैं।

- राज्य के कुल जनसंख्या में ST जनसंख्या का प्रतिशत **–0.06%** है–
- भारत के कुल जनसंख्या में ST जनसंख्या का प्रतिशत **8.08%** है।
- सर्वाधिक अ.ज.जा. जनसंख्या वाला जिला **लखीमपुर खीरी** (37979) है।

उत्तर प्रदेश की विभिन्न जातियाँ

2001 की जनगणना के अनुसार प्रदेश की कुल जनसंख्या में **20.5% सवर्ण** (ब्राह्मण, राजपूत, वैश्य, कायस्थ, भूमिहार), **16.7% ऊपर के BC** (यादव, कुर्मी, लोध, जात, गुर्जर), **26% नीचे के BC** (कोयरी, कहार, गड़रिया, तेली, बरी, केवट, नाई आदि), **21.1% दलित जातियाँ** (चमार, पासी, धोबी, वाल्मीकि आदि) तथा **15% मुसलमान** और **शेष** में अन्य हैं।

- प्रदेश की कुल जनसंख्या में कुछ जातियों का प्रतिशत इस प्रकार है–

चमार	–	12.7%
ब्राह्मण	–	9.2%
यादव	–	8.7%
राजपूत	–	7.2%
कोइरी	–	4.1%
कुर्मी	–	3.5%
वैश्य	–	2.6%
कहार	–	2.3%
लोधी	–	2.2%
गड़रिया	–	2%
जाट	–	1.6%
केवट	–	1.1%
कायस्थ	–	1.0%
भूमिहार	–	0.5%

धर्म	कुल जनसंख्या	राज्य की कुल जनसंख्या में %	लिंगानुपात	लिंगानुपात (0–6 वर्ष)	शिशु जनसंख्यसा का अनुपात (0–6 वर्ष)	साक्षरता दर	महिला साक्षरता दर	कार्य भागीदारी दर
हिन्दू	13,39,79,263	80.6	894	911	18.6	58.0	43.1	33.2
मुस्लिम	3,07,40,158	18.5	918	935	20.9	47.8	37.4	29.1
ईसाई	2,12,578	0.1	961	936	14.6	72.8	67.4	33.9
सिख	6,78,059	0.4	877	831	14.1	71.9	63.8	32.7
बौद्ध	3,02,031	0.2	895	928	19.9	56.2	40.3	33.4
जैन	2,07,111	0.1	911	846	11.9	93.2	90.3	28.8

World Population Scenario

मानव विज्ञान शास्त्रियों का विश्वास है कि पृथ्वी पर मानव का उद्भव टर्शियरीकल्प के पलायोसीन युग में हुआ। मानव सभ्यता के इतिहास के अधिकांश काल में मानव शिकारी एवं संग्रहणकर्त्ता की भूमिका में ही रहा।

वर्ष I.A.D. में विश्व की जनसंख्या लगभग 30 करोड़ थी जो सामान्य गति से वृद्धि करती हुई 1750 में 76 करोड़ हो गई।

विश्व जनसंख्या में बिलियन वृद्धि के वर्ष

वर्ष	वैश्विक जनसंख्या (विलियन में)	वर्षान्तर
1804	1.0	–
1927	2.0	1.22
1959	3.0	32
1974	4.0	15
1987	5.0	13
1998 (UNFPA)	6.0	11
2011 (31 Oct.)	7.0	13
2025–30	8.0	–
2045–50	9.0	–

विश्व की कुल जनसंख्या का 75.5% भाग लैटिन अमेरिका, अफ्रीका, एशिया, पोलिनेशिया, मेलानेशिया तथा माइक्रोनेशिया के अल्पविकसित क्षेत्रों में निवास करता है। ये सभी क्षेत्र जनांकिकी संक्रमण की प्रथम या द्वितीय अवस्था से गुजर रहे हैं।

महाद्वीपीय जनसंख्या वितरण

महाद्वीप	जनघनत्व	जनसंख्या (2011)	सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश	सर्वाधिक जनसंख्या वाला शहर
एशिया	86.7	41.40 B*	चीन (1.341 B*)	टोक्यो (37.73 M*)
अफ्रीका	32.7	1.00 B*	नाइजीरिया (0.5 B*)	काहिरा (19.4 M*)
यूरोप	70	0.74 B*	रूस (0.142 B*)	मास्को (14.83 M*)
उत्तरी अमेरिका	22.9	0.53 B*	USA (0.31 B*)	मैक्सिको सिटी (21.2 M*)
दक्षिण अमेरिका	21.4	0.39 B*	ब्राजील (0.19 B*)	साओ पाउलो (19.67 M*)
ओशेनिया	4.25	0.04 B*	ऑस्ट्रेलिया (0.02 B*)	सिडनी (4.5 M*)
अंटार्कटिका	0.0	4,490	N/A	मैक्सर्डो स्टेशन (955)

नोट : B* = बिलियन ; M* = मिलियन

क्र.	जनसंख्या की दृष्टि से विश्व के 10 सबसे बड़े देश (2009)			
	देश का नाम	जनसंख्या	तिथि	वैश्विक जनसंख्या का %
1.	चीन	1,34,74,60,000	नवम्बर–2011	19.3
2.	भारत	1,21,01,93,422	मार्च–2011	17.5
3.	सं. रा. अमेरिका	31,26,15,000	नवम्बर–2011	4.48
4.	इण्डोनेशिया	23,84,00,000	मई–2010	3.36
5.	ब्राजील	19,55,37,000	नवम्बर–2011	2.8
6.	पाकिस्तान	17,78,25,000	नवम्बर–2011	2.55
7.	बांग्लादेश	15,85,70,535	जुलाई–2011	2.27
8.	नाइजीरिया	15,52,15,000	जुलाई–2011	2.23
9.	रूस	14,19,74,297	जनवरी–2010	2.035
10.	जापान	12,73,80,000	जून–2010	1.83

विश्व : शीर्ष 3 जनघनत्व वाले देश–2010	
देश	जनघनत्व
मकाऊ	18658
मोनेको	16358
बांग्लादेश	1229
विश्व : न्यून 3 जनघनत्व वाले देश – 2010	
मंगोलिया	2.0
नामीबिया / बोत्सवाना सूरीनाम / ऑस्ट्रेलिया / आइसलैण्ड	3.0
सूरीनाम	4.3

न्यूनतम 7 जनसंख्या वृद्धि दरवाले देश (2010–15 प्रक्षेपित)	
देश	वृद्धि–दर % में
माल्दोबिया गणराज्य / बुल्गारिया	(–) 0.7
जार्जिया	(–) 0.6
लाटविया / लुथवानिया	(–) 0.4
उक्रेन	(–) 0.5
बेलारुस	(–) 0.3
क्रोशिया / जर्मनी / हंगरी / रोमनिया	(–) 0.2
रूसी संघ / सर्बिया / जापान / एस्टोनया	(–) 0.1

एक से अधिक जिलों में विस्तारित नगरीय संकुलन (UA)		
नगरीय संकुलन का नाम	राज्य	जिले
दिल्ली UA	दिल्ली	उत्तर–पश्चिम, उत्तरी, उत्तर–पूर्वी, नई दिल्ली, मध्य, पश्चिमी, दक्षिण–पश्चिमी एवं दक्षिणी दिल्ली
वृहत मुम्बई UA	महाराष्ट्र	थाणे, मुम्बई (उपनगर), मुम्बई नगर

Mega City

संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) के अनुसार–ऐसे नगरीय संकुलन जिनकी जनसंख्या 10 मिलियन (अर्थात एक करोड़ से अधिक) से अधिक है। 'मेगा सिटी' की संज्ञा से अभिहित किया जाता है। भारतीय जनगणना–2011 में इस अवधारणा को स्वीकार किया गया है। देश के 53 मिलियन प्लस नगरीय संकुलनों में से तीन नगरीय संकुलन 'मेगा सिटी' की परिभाषा के अन्तर्गत आते हैं। यथा–

1. वृहद मुम्बई (18.41 मिलियन)
2. दिल्ली (16.31 मिलियन)

शिशु जनसंख्या एवं लिंगानुपात

सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात तिरुअनंतपुरम UA (केरल) में 971 और न्यूनतम शिशु लिंगानुपात आगरा UA में का 780 है।

अवश्य याद करें

- दक्षिणी अमेरिका का सर्वाधिक नगरीकृत देश क्रमशः वेनेजुएला (93.1%) एवं उरुग्वे (92.4%) है (2010)।
- संसार मेंसर्वाधिक नगरीकृत महाद्वीप क्रमशः उत्तरी अमेरिका, लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन देश एवं यूरोप है।
- जनसंख्या वृद्धि का सर्वाधिक प्रतिशत अफ्रीका महाद्वीप कहा है। तदोपरान्त क्रमशः एशिया, लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन देशों का है।
- विश्व के सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाले पाँच देश क्रमशः भारत, चीन, इण्डोनेशिया, बांग्लादेश एवं पाकिस्तान है।
- श्रीलंका, नेपाल, पाकिस्तान एवं भारत में से भारत का जनघनत्व सबसे अधिक है।
- अफ्रीका के शीर्ष तीन नगरीकृत देश हैं– गैबोन, पश्चिमी सहारा तथा जिबूती। एशि के तीन शेर्ष नगरीकृत देश हैं– सिंगापुर, कुबैत, कतर।

विश्व के न्यूनतम नगरीकृत देश	
देश	नगरीकरण (%) में
बुरुंडी	11
पापुआ–न्यूगिनी	13
मालवी / त्रिनिदाद एवं टोबैगो	14

नगरों के विकास की अवस्थाएँ

लुइस मम्फोर्ड ने 1938 ई. में नगरों के विकास की 6 अवस्थाओं का उल्लेख किया है–

(i) इयोपोलिस : यह नगरीय विकास की प्रथम अवस्था है। इस अवस्था में कृषि एवं पशुपालन संबंधी कार्यों के विकास के कारण गांवों का विकास हुआ। बड़े–बड़े एवं केन्द्रीय गांवों में शिक्षा, संस्कृति एवं कला आदि का विकास हुआ।

(ii) पोलिस : इस शब्द का अर्थ नगर स है। इस अवस्था में बड़े गांव कस्बे का रूप धारण करते हैं जिनमें व्यापारिक गतिविधियों का विकास हो जाता है। नगरीय आकारिकी का विकास प्रारम्भ हो जाता है।

(iii) मेट्रोपोलिस : इस अवस्था में नगर का आकार वृहत् हो जाता हैं वृहत् स्तरपर कारखानों, शिक्षा संस्थानों, व्यापारिक संस्थानों आदि की स्थापना हो जाती हैं इस अवस्था में नगर अपने आस–पास के नगरों से बड़ा हो जाता है एवं नगर का संबंध दूरवर्ती क्षेत्रों से भी हो जाता हैं

(iv) मेगालोपोलिस : यह नगर की चरम अवस्था को बताताी है। नगर में गन्दी बस्तियों का प्रादुर्भाव हो जाता है एवं जीवन नारकीय रूप में परिवर्तित होता हुआ दिखाई देता है। पूंजीवादी व्यवस्था का प्रसार, नैतिकता का पतन, नौकरशाही का विकास, मानव का शोषणयुक्त जीवन इस प्रकार के नगरों की विशेषता है। अमेरिका के पूर्वी तटीय मैदान में बोस्टन से स्पेरो प्वाइंट तक के नगरीय क्षेत्र इसका उदाहरण हैं बर्मिंघम, टोकियों, याकोहामा क्षेत्र, अर्मेस्टर्डम।

महानगर (Metropollition or Metropolis) : इसकी जनसंख्या 10 लाख से अधिक होती है। 2011 के जनगणना में इसे **'मिलियन प्लस'** नगरीय संकुलन/नगर की संज्ञा दी गई है।

मानव विकास रिपोर्ट–2011

आर्थिक विकास एक व्यष्टिनिष्ठ अवधारणा है, जिसका परिमाणात्मक माप सम्भव नहीं है। पुनश्च इसे मापने के अनेक प्रयास किये गये हैं। मानव विकास के विविध आयामों का आकलन, इस दिशा में एक सार्थक प्रयास है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (U.N.D.P.) द्वारा यह प्रयास 1990 से सतत् रूप से जारी है; जिसे **'मानव विकास रिपोर्ट'** की संज्ञा दी गई है।

वर्ष 2011 की मानव विकास रिपोर्ट (Human Development Report-2011) 2 नवम्बर, 2011 को जारी की गई। 'Sustainability and Equity : A future for All' अर्थात् 'सततता एवं साम्यता : सभी के लिए एक बेहतर भविष्य' पर केन्द्रित इस रिपोट्र में विश्व के कुल 187 देशों के लिए मानव विकास सूचकांक (Human Development Index–HDI) दर्शाए गए हैं, जिसमें भारत का 134वाँ स्थान है। इससे पूर्व वर्ष 2010 की मानव विकास रिपोट्र में मानव विकास सूचकांक के मामले में 169 देशों में 119वाँ स्थान भारत को दिया गया था।

मध्यम विकास वाले देश		
97	श्रीलंका	0.691
101	चीन	0.687
134	भारत	0.547
कम विकास वाले देश		
145	पाकिस्तान	0.504
172	अफगानिस्तान	0.398
187	कांगो गणराज्य	0.286

पंचवर्षीय योजनाओं में वार्षिक वृद्धि दरें :

(स्रोत : आर्थिक समीक्षा 2010–11)

	लक्ष्य	**प्राप्ति**
पहली योजना (1951–56)	2.1%	3.7%
दूसरी योजना (1956–61)	4.5%	4.2%
तीसरी योजना (1961–66)	5.6%	2.8%
तीन वार्षिक योजनाएं (1966–69)	–	3.9%
चौथी योजना (1969–74)	5.7%	3.4%
पाँचवीं योजना (1974–79)	4.4%	5.0%
वार्षिक योजना (1979–80)	–	–5.0%
छठी योजना (1980–85)	5.2%	5.4%
सातवीं योजना (1985–90)	5.0%	5.5%
वार्षिक योजना (1990–92)	–	3.2%
आठवीं योजना (1992–97)	5.6%	6.6%
नौवीं योजना (1997–2002)	6.5%	5.5%
दसवीं योजना (GDP) (2002–07)	7.9%	7.9%
ग्यारहवीं योजना (2007–12) (लक्ष्य)	9.0%	–
संशोधित लक्ष्य	–	8.1%
2007–08	–	9.8%
2008–09	–	6.6%
2009–10 (त्वरित)	–	8.6%
2010–11 (BE)	–	9.0%

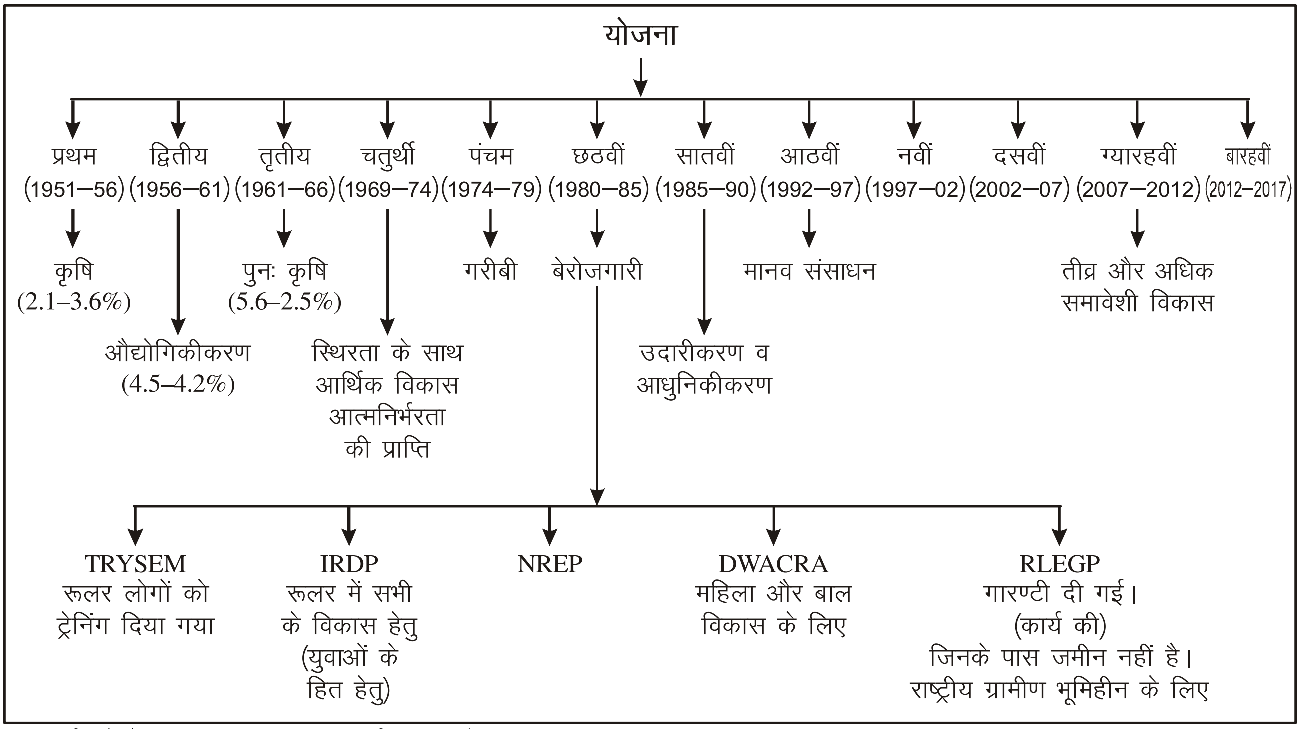

नई औद्योगिक नीति – 24 जुलाई, 1991 में।
3 बार योजना अवकाश रहा अर्थात 6 वर्ष।
गारण्टी कानून 2005 में कांग्रेस ने लागू किया।
16 फरवरी, 2006 में (A.P.) के वन्दना पल्ली मनरेगा की शुरुआत किया।
पहले नरेगा और अब मनरेगा।
15 मार्च, 1950 में योजना आयोग का जन्म हुआ।
6 अगस्त, 1952 – राष्ट्रीय विकास परिषद